

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

व. 12] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 24, 1988/चैत्र 4, 1910
No. 12] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 24, 1988/CHAITRA 4, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ रुपया दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वि इंस्टीट्यूट आफ कंपनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया

(कंपनी मन्त्रिव अधिनियम, 1980 के अधीन गठित)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1988

मंख्या 710(2)(एम)(2).—फरवरी 1988 की इंस्टीट्यूट आफ कंपनी सेक्रेटरीज आफ
इंडिया की अधिसूचना नं. 2, दिनांक तीन मार्च, 1988, जो कि विनियमों का प्रारूप शीर्षक
के अन्तर्गत भारत के राजपत्र, असाधारण भाग 3—खण्ड 4 में दिनांक 5 मार्च, 1988 को
प्रकाशित हुई उसमें परिच्छेद 3 की अन्तिम पंक्ति में अंक "300" को "200" पढ़ा जाए।

नई दिल्ली :

टी.पी. सुब्बारामन, सचिव

दिनांक 19 मार्च, 1988

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA

(Constituted under the Company Secretaries Act, 1980)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 19th March, 1988

No. 710(2)(M)(2).—In the Institute's Notification ICSI No. 2 of February, 1988 dated the 3rd March, 1988, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III—Section 4 dated the 5th March, 1988, under the heading "Draft Regulations," in the last line of Para 3, the figure "300" be read as "200".

New Delhi :

Dated the 19th March, 1988.

T. P. SUBBRAMAN, Secy.